

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—कृष्य 4 PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

मधिस्चना

नई दिल्ली, 14 नवस्थर, 1980

का. कि. जा. 18-ई :— सहास्त्र सेना (आपात इय्टियां) अधिनियम, 1947 (1947 का 15वां) की धारा 2 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतच्द्वारा असम में पैट्रोलियम उत्पादों के निर्माण, सम्भरण संज्ञालन और अनुरक्षण तथा पाइप-लाइनों और तेल प्रति- छानों को जलाने से सम्बन्धित प्रत्येक सेवा को समाज के लिए अत्यधिक महत्व की सेवा घोषित करती है।

[फाइस सं. 2(35)/80/डी. (जी. एस.-1)] के. ए. नाम्बियार, संयुक्त सजिब (जी)

MINISTRY OF DEFENCE

NOT**IFICATION**

New Delhi, the 14th, November, 1980

S.R.Q. 13-E.—In exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Dulies) Act, 1947 (1957) 1947), the Central Government hereby declares every service forming part of, or connected with, the generation, supply operation and maintenance of petroleum products and running of oil installations and pigelines in Assum to be a service of vital importance to the community.

[PC. No. 2(35)/80/D(GS. 1)] K. A. NAMBIAR, Jt. Secy.